an>

Title: Need to develop historical places in Kalpi in Uttar Pradesh as tourist spots and declare Kalpi as a tourist destination.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र जालौन की ओर दिलाना चाहता हूँ। यमुना नदी के किनारे बसा एवं बुन्देलखण्ड का प्रवेश द्वार ऐतिहासिक नगरी कालपी है जिसे महर्षि वेदव्यास की जन्म स्थली के नाम से जाना जाता है। सम्राट अकबर के नवरत्नों में बीरबल की जन्म स्थली भी कालपी है। यहाँ पर सूर्य मंदिर एवं सूर्य कुंड है जो पृथ्वी का मध्य माना जाता है। सूर्य ग्रहण पड़ने पर कई विदेशी एवं भारतीय खगोलशास्त्री दूरबीन लगाकर यहाँ अध्ययन करने आते हैं। यहाँ पर पाण्डवों ने अपना अज्ञातवास का समय व्यतीत किया, घटोत्कच का जन्म भी इसी नगर में हुआ था और भीष्म पितामह ने भी यहाँ पर आजीवन अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा की थी। यहाँ पर कई प्राचीन मन्दिर जैसे- पचपंडा देवी, काली का मंदिर, वनखण्डी देवी का मन्दिर है जिसके कारण यह हज़ारों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। स्वतंत्रता संग्राम में कई महापुरूष जैसे चंद्रशेखर, वीरांगना लक्ष्मीबाई आदि ने यहाँ समय व्यतीत किया। लोधी सल्तनत (15-16वीं सदी) के समय में यहाँ 84 गुम्बद बनवाये थे। दिल्ली की कुतुब मीनार की तर्ज पर यहाँ पर लंका मीनार भी है।

अतः मेरा आग्रह है कि कालपी नगर के इन ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटक स्थलों के रूप में विकसित कर कालपी को पर्यटन स्थल घोषित किया जाए।